Dr. DHANVIR PRASAD

ASSISTANT PROFESSOR (G.T)

DEPT.OF.PSYCHOLOGY

C.M.J COLLEGE DONWARIHAT(KHUTONA)MADHUBANI

L.M.N.U DARBHANGA

MOBILE NO:- 6206696451

E-MAIL- dhabeerparasad@gmail.com

DIFFERENCES BETWEEN LONG TERM MEMORY AND SHORT TERM MEMORY

अल्पकालीन स्मृति तथा दीर्घकालीन स्मृति के बीच कई प्रकार के अंतर पाए गए हैं-

1. सत्ताकाल- अल्पकालीन स्मरण की अपेक्षा दीर्घकालीन स्मरण का सत्ताकाल अधिक समय तक होता है। अल्पकालीन स्मृति अधिक से अधिक 40 मिनट तक रहती पाती है।

   इसके विपरीत दीर्घकालीन स्मृति जीवन काल तक रहती है। दीर्घकालीन स्मरण की कुछ सूचनाएं कई

वर्षों तक रहती है और जीवन के अंतिम क्षण तक कायम रहता है।

2. कूटबद्ध- अल्पकालीन स्मरण की सूचनाएं कूटबद्ध नहीं होती है। वे असंगठित एवं अव्यवस्थित होती है। इसी कारण यह शीघ्र समाप्त हो जाती है।

दूसरी ओर दीर्घकालीन स्मरण की सूचनाएं कूटबद्ध एवं व्यवस्थित होती है। जिस प्रकार हम अपने कमरा में आवश्यक सामान को सजा-सजाकर रखते हैं उसी तरह दीर्घकालीन स्मरण के सामग्री सुसज्जित एवं व्यवस्थित रहती है।

3. रिहर्सल- अल्पकालीन स्मरण में रिहर्सल का अवसर नहीं मिलता है। इसी कारण सूचनाएं कूटबद्ध नहीं हो पाती है और अल्पकालीन स्मरण से निकल जाती है।

दूसरी ओर दीर्घकालीन स्मरण में रिहर्सल का पूरा अवसर मिलता है। इसलिए सूचनाएं कूटबद्ध होकर स्थाई बन जाती है।

4. चंचलता- अल्पकालीन स्मरण में चंचलता पाई जाती है। एक सूचना अल्पकालीन स्मरण में आती है तो दूसरी सूचना निकल जाती है।

परंतु दीर्घकालीन स्मरण में यह चंचलता नहीं पाई जाती है।

5. विघटन- अल्पकालीन स्मरण में विघटन की संभावना जितनी अधिक है, दीर्घकालीन स्मरण में उतनी ही कम है। अल्पकालीन स्मरण की सामग्री अव्यवस्थित तथा असंगठित होती है। इसलिए इस पर बाधा का प्रभाव बहुत जल्दी पड़ती है। ब्राउन के अनुसार सामग्री की मात्रा अधिक होने पर हल्की बाधा भी विघटन उत्पन्न कर सकती है।

लेकिन दीर्घकालीन स्मरण में विघटन का खतरा कम होता है। कारण यहां सामग्री कूटबद्ध, संगठित एवं व्यवस्थित होती है।

6. प्राथमिक एवं अनुषंगी स्मरण- अल्पकालीन स्मरण वास्तव में प्राथमिक स्मरण है। जबकि दीर्घकालीन

स्मरण अनुषंगी स्मरण है। अल्पकालीन स्मरण को अल्पकालीन भंडार तथा दीर्घकालीन स्मरण को दीर्घकालीन भंडार कहते हैं। संवेदी सूचनाएं पहले अल्पकालीन स्मरण में जाती है और उनमें से कुछ सूचनाएं निकल जाती है और कुछ कूटबद्ध होकर दीर्घकालीन स्मरण के घटक बन जाती है।